

सारीख हूकम

हूकम या कांशिकी हकिमियतका जल

नाबर न सकिता
सकासम की सिवा
हूकम की सकिता
न सकि हू

१/१०/५५

पत्रावली पेश हुई। वकील गरी अज्ञपरिगत। गरी अज्ञपरिगत।
वकील वादी एवं गरी गरी एक-एक कर आगत लगवाई गई।
वादी एवं वकील गरी अज्ञपरिगत। पत्रावली अदम पिरकी एवं अदम
हाजरी में खरिज की जाती है। पत्रावली कैसल शुमार होकर
नाबर से कम होते हूये वाखिल दफतर हो।

५